विजयस्तंभ

पश्चिम रेलवे
WESTERN RAILWAY
रतलाम मंडल

त्रैमासिक राजभाषा ई -पत्रिका

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

11 वां अंक
जुलाई से सितंबर 2023

संपादक मंडल

मुख्य संरक्षक

श्री रजनीश कुमार

मंडल रेल प्रबंधक

संरक्षक

श्री अशफाक अहमद

अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं

अपर मंडल रेल प्रबंधक

संपादक

श्री अमीर यादव

राजभाषा अधिकारी

एवं वमसाप्र

संपादन सहयोग

ओम प्रकाश मीना

वरि.अनुवादक

दौलत राम ताबियार

वरि.अनुवादक

राजेंद्र सेन

वरि.अनुवादक

दलवीर सिंह चौधरी

वरि.अनुवादक

विशेष सहयोग

(डिजाइनिंग)

इरशाद खान

कार्यालय अधीक्षक

अनुक्रमणिका

क्र.स			पृष्ठ
1	संरक्षक की कलम से	-	1
2	अपनी बात	-	2
3	संपादकीय	-	3
4	हिंदी दिवस संदेश (गृहमंत्री)		4-5
5	हिंदी दिवस संदेश (रेलमंत्री)		6
6	हिंदी दिवस संदेश (महाप्रबंधक)		7
7	हिंदी दिवस संदेश (मंडल रेल प्रबंधक)		8
8	स्वतंत्रता दिवस की झलकियां	-	9-10
9	पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की गतिविधियाँ	-	11-13
10	रतलाम की उपलब्धियां	-	14-32
11	राजभाषा की गतिविधियाँ	-	33-40
12	आजा री चिड़िया (कविता)	शिव चौहान	41
13	मायरा/मामेरा (कविता)	शिव चौहान	41
14	रेल (कविता)	जीवन देवी खण्डेलवाल	42
15	हिंदी प्रेम की भाषा (कविता)	लक्ष्य ताम्रकार	42
16	बेटा तुम खुश रहना(कविता)	ओमप्रकाश मीना	42
17	हिंदी (कविता)	मनोज सोनी	42
18	ई –ऑफिस हेतु उपयोगी हिंदी नोटिंग	दौलतराम ताबियार	43
19	दुर्घटना राहत गाड़ी संचालन	दुर्गा प्रसाद वर्मा	44
20	यह कदम्ब का पेड़	सुभद्रा कुमारी चौहान	45

❖ पता – राजभाषा अनुभाग मंडल कार्यालय, पश्चिम रेलवे, रतलाम, मध्यप्रदेश

दूरभाष- 092-44032

❖ पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं और कुछ सामग्री इंटरनेट से संकलित हैं । जिससे संपादक मंडल का सहमत होना जरुरी नहीं है।

❖ निशुल्क ई –पत्रिका।

पश्चिम रेलवे
WESTERN RAILWAY

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मुख्य संरक्षक की कलम से

मुझे यह जानकर हर्ष हुआ कि रतलाम मंडल का राजभाषा विभाग अपनी राजभाषा पत्रिका 'विजयस्तंभ' के ग्यारहवें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। भाषा ही वह माध्यम है जिसके द्वारा हम अपनी समाज विरासत ज्ञान संस्कृति और संस्कार भावी पीढ़ी तक पहुंचाते हैं और एक दूसरे के साथ जुड़ते हैं। भाषा विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम होती है। रतलाम मंडल पर हिंदी का उत्तरोत्तर प्रचार- प्रसार हुआ है तथा इसे और अधिक व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

तकनीकी और गैर तकनीकी विभागों में हिंदी के प्रयोग - प्रसार का विस्तार जरूरी है ताकि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों हिंदी की नीति- नियमों प्रावधानों अनुच्छेदों की जानकारी हो सके और हिंदी का सर्वाधिक विकास हो सके। विगत माह रतलाम मंडल पर राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी की तथा पुरस्कार प्राप्त किए। हिंदी के प्रयोग- प्रसार को बढ़ाने के लिए मंडल पर सभी प्रोत्साहन योजना लागू है तथा सभी का इसमें योगदान हो रहा है जो कि सराहनीय प्रयास है।

हिंदी में सराहनीय योगदान के लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि आगे भी अपने प्रयास जारी रखेंगे।

प्रकाशन विभाग से जुड़े सभी अधिकारियों कर्मचारियों को मेरी शुभकामनाएं ।

रजनीश कुमार
मंडल रेल प्रबंधक

पश्चिम रेलवे
WESTERN RAILWAY

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अपनी बात

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि रतलाम मंडल का राजभाषा विभाग अपनी गृह पत्रिका 'विजयस्तंभ' के ग्यारहवें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। राजभाषा पत्रिकाओं का हिंदी के प्रयोग प्रसार एवं अभिवृद्धि में विशेष योगदान होता है। 'विजयस्तंभ' इस दायित्व का बखूबी निर्वहन कर रही है। रतलाम मंडल पर राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी के प्रयोग- प्रसार को बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रश्नमंच, हास्य कवि सम्मेलन आयोजित किए गए।

मंडल पर हिंदी के प्रयोग- प्रसार में काफी वृद्धि हुई है फिर भी हमें भारत सरकार द्वारा दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए यह हमारा संवैधानिक दायित्व भी है तथा हिंदी के प्रति समर्पण भी है।

आशा करता हूं कि आप सभी हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ाने के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे।

'विजयस्तंभ' पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मैं प्रकाशन मंडल को बधाई देता हूं।

अशफाक़ अहमद
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं
अपर मंडल रेल प्रबंधक

संपादकीय

राजभाषा पत्रिका 'विजयस्तंभ' के ग्यारहवें अंक को आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार खुशी हो रही है राजभाषा पत्रिकाओं का मुख्य उद्देश्य आपके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा हिंदी के प्रयोग- प्रसार में वृद्धि करना है 'विजयस्तंभ' पत्रिका यह कार्य बखूबी कर रही है।

इस अंक में हमने यह प्रयास किया है कि रतलाम मंडल के विभिन्न विभागों में इस तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्य एवं हिंदी के प्रयोग- प्रसार को बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। सितंबर माह में रतलाम मंडल पर हिंदी पखवाड़ा मनाया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा समापन के अवसर पर हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसकी सभी श्रोताओं ने काफी प्रशंसा की।

हमारा यह प्रयास रहता है कि 'विजयस्तंभ' को आप सभी के लिए काफी रोचक ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बनाया जाए। अतः सभी सुधी पाठकों से यह अपेक्षा है कि आप अपने लेख कहानी कविता तथा अपने विभाग की विशेष गतिविधियां 'विजयस्तंभ' मे प्रकाशन के लिए नियमित भिजवाते रहे तथा यह अंक आपको कैसा लगा अपने विचारों से भी हमें अवगत कराएं ताकि अगले अंक को और अधिक ज्ञानवर्धक एवं बेहतर बनाया जा सके।

आप सभी रेल रचनाकारों प्रबुद्ध पाठकों को मेरी शुभकामनाएं।

अमीर यादव
राजभाषा अधिकारी
एवं
वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

प्रिय देशवासियो!

आप सब को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत भाषिक विविधता का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम **'हिंदी'** है। हिंदी भाषा अपनी प्रवृत्ति से ही इतनी जनतांत्रिक रही है कि इसने भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ–साथ कई वैश्विक भाषाओं को यथोचित सम्मान देते हुए उनकी शब्दावलियों, पदों, वाक्य विन्यासों और वैयाकरणिक नियमों को आत्मसात किया है।

हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकता के सूत्र में बाँधने का अभूतपूर्व कार्य किया। अनेक भाषाओं और बोलियों में बँटे देश में ऐक्य भावना से पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता की लड़ाई को आगे बढ़ाने में संवाद भाषा हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इसीलिए, लोकमान्य तिलक हों, महात्मा गांधी हों, लाला लाजपत राय हों, नेताजी सुभाषचंद्र बोस हों, राजगोपालाचारी हों; हिंदी के शुरुआती पैरवीकारों में बहुसंख्यक उन प्रदेशों के लोग थे, जिनकी मातृभाषाएँ हिंदी नहीं थीं।

किसी भी देश की मौलिक सोच और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि, **"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल।"** यानि कि, अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। राष्ट्र की पहचान इस बात से भी होती है कि उसने अपनी भाषा को किस सीमा तक मजबूत, व्यापक एवं समृद्ध बनाया है। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय से वैश्विक मंचों तक यथोचित सम्मान मिला है। हमारी सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं।

अपनी भाषा में सुनी हुई अवांछनीय बातें भी बहुत बुरी नहीं लगती। कवि **विद्यापति** की शब्दावली में कहूँ तो **'देसिल बयना सब जन मिट्ठा'** यानि देशी भाषा सभी जनों को मीठी लगती है। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयत्नशील है कि शहद सामान मीठी भारतीय भाषाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अत्याधुनिक और वैज्ञानिक प्रयोग के अनुकूल उपयोगी बनाया जा सके।

सरकार और जनता के बीच भारतीय भाषाओं में संवाद स्थापित कर जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी तौर पर लागू किया जा सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जन–जन तक उनकी ही भाषा में उनके हित की बात पहुँचाकर आदर्श लोकतंत्र के निर्माण का सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। राजभाषा विभाग ने इसी उद्देश्य से राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से सहज बनाने की दिशा में काम करते हुए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **'कंठस्थ'** का निर्माण और विकास किया है। फिजी में संपन्न 'विश्व हिंदी सम्मेलन' में **'न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन'** के साथ इसके नए वर्जन (कंठस्थ 2.0) के मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण भी किया गया है।

राजभाषा विभाग की एक नई पहल **'हिंदी शब्द सिंधु'** शब्दकोश का निर्माण है। इस शब्दकोश में संविधान की 8वीं अनुसूची में अधिसूचित भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल कर इसे निरंतर समृद्ध किया जा रहा है। साथ ही, विभाग ने **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप भी तैयार किया है, जिसे अपनाकर विभिन्न भाषा–भाषी 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से अपनी–अपनी मातृभाषाओं से स्तरीय हिंदी निःशुल्क सीख सकते हैं।

भाषा परिवर्तन का सिद्धांत यह कहता है कि भाषा जटिलता से सरलता की ओर जाती है। मेरे विचार से हिंदी के सरल और सुस्पष्ट शब्दों को कार्यालयी कामकाज में प्रयोग में लाना चाहिए। टिप्पणी, पत्राचार, ई–मेल, विज्ञप्ति आदि के लिए आम बोलचाल के शब्दों व वाक्यों के प्रयोग से हिंदी के प्रयोग का चलन बढ़ेगा।

हमारे लिए हिंदी का प्रश्न सिर्फ एक भाषा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का विषय है। मुझे विश्वास है कि राजभाषा विभाग के उपरोक्त प्रयासों से सभी मातृभाषाओं को आत्मसात करते हुए लोकसम्मत भाषा हिंदी विज्ञानसम्मत व तकनीकसम्मत होकर संपन्न राजभाषा के रूप में स्थापित होगी।

पुनश्च, आप सब को हिंदी दिवस की अनंत शुभकामनाएं।

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2023

(अमित शाह)

अश्विनी वैष्णव
Ashwini Vaishnaw

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
भारत सरकार
**Minister of Railways
Communications & Electronics and
Information Technology
Government of India**

प्रिय साथियों,

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत एक बहुभाषी देश है और विभिन्न भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए हिंदी ने जनमानस में विशेष स्थान प्राप्त किया है।

भारतीय रेल, राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए सदैव सजग रही है। राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्य के लिए रेल मंत्रालय को वर्ष 2021-22 का तृतीय राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त हुआ है। सभी रेलकर्मी इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

आइए हिंदी दिवस पर यह संकल्प लें कि सामूहिक प्रयासों से देश में हिंदी के प्रचार-प्रसार और प्रयोग को नया आयाम देंगे।

जय हिंद!

अश्विनी
14/9/23
अश्विनी वैष्णव

Room No.: 341, Rail Bhawan Raisina Road, New Delhi-110001
Tel.: +91-11-23386645, 23381213 Fax : +91-11-23387333

पश्चिम रेलवे
Western Railway

हिंदी दिवस संदेश

हिंदी दिवस, जिसे राष्ट्रीय विकास और इसकी पहचान के लिए एक कीर्ति स्तंभ के रूप में देखा जाता है, मैं इस विशिष्ट अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। तब से हम 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं। किसी भी देश एवं समाज की पहचान उसकी भाषा से होती है। जिस तरह से भारतीय रेल देश के विभिन्न भागों को आपस में जोड़ती है, उसी तरह हिंदी देश के विभिन्न भागों के विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक सशक्त माध्यम बनकर हम सबको आपस में जोड़ती है। भारत की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने में भी हिंदी की भूमिका उल्लेखनीय है। राजभाषा हिंदी के निरंतर प्रचार-प्रसार में भारतीय रेल की विशेष एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

भाषा मन के भावों तथा विचारों की मात्र अभिव्यक्ति का साधन ही नहीं है, बल्कि इसके साथ मानव के सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य भी जुड़े होते हैं। इस प्रकार भाषा समाज और देश को सुदृढ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिंदी पूरे भारत को आपस में जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है।

महात्मा गाँधी ने कहा है कि "राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।" आज का युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है और वर्तमान पीढ़ीअपने दैनिक कार्यों का निष्पादन इंटरनेट एवं सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से ही कर रही है। अत: पश्चिम रेलवे के प्रत्येक रेलकर्मी के लिए अपेक्षित है कि वह राजभाषा हिंदी को सूचना प्रौद्योगिकी से जोड़ने का प्रयास करे। पश्चिम रेलवे के सभी विभागों, मंडलों एवं कारखानों की कार्यप्रणाली से संबंधित आम जनता से जुड़ी सूचनाएं वेबसाइट पर अंग्रेजी के साथ-साथ सहज एवं सरल हिंदी भाषा में भी प्रदर्शित की जाए।

आइए, हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर यह संकल्प लें कि हम जिस तरह बोलचाल में हिंदी का प्रयोग करते रहते हैं,उसी तरह हम सभी अधिक से अधिक सरकारी कामकाज भी पूरे उत्साह, निष्ठा, लगन एवं गर्व के साथ राजभाषा हिंदी में करेंगे।

हिंदी को आगे बढ़ाना है, उन्नति की राह ले जाना है।
केवल एक दिन ही नहीं, हमें नित हिंदी दिवस मनाना है।।

जय हिंद !

(अशोक कुमार मिश्र)
महाप्रबंधक

14 सितम्बर, 2023
चर्चगेट, मुंबई

पश्चिम रेलवे
WESTERN RAILWAY

हिंदी दिवस संदेश

प्रिय रेलकर्मी साथियों,

14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर मैं आप सभी को बधाई देता हूँ। राजभाषा हिंदी, हमारी संस्कृति और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दिन को मनाकर हम अपनी राष्ट्रीय भाषा के महत्व को समझते हैं और उसका संरक्षण करने का संकल्प लेते हैं।

14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। हिंदी न केवल एक भाषा है, बल्कि हमारी पहचान है, जो हमें अपनी जड़ों और अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ती है।

प्रौद्योगिकी के इस निरंतर बदलते दौर में राजभाषा हिंदी का प्रयोग कर हमें अपने संवैधानिक दायित्वों निर्वहन करना है। कार्यालयों में कम्प्यूटरों के बढ़ते उपयोग के परिप्रेक्ष्य में हमें कम्प्यूटरों पर भी हिंदी का उपयोग बढ़ाना होगा तथा यूनिकोड में ई- ऑफिस और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से हिंदी में ही सरकारी कामकाज को बढ़ावा देना होगा।

हिंदी दिवस पर, हमें यह प्रण करने का अवसर मिला है कि हम अपनी राजभाषा के प्रति समर्पित रहेंगे एवं हिंदी के संवर्धन और विकास करने और उसकी गरिमा को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे।

'रेल की भाषा, मेल की भाषा, देश की भाषा, हिंदी भाषा'

इस हिंदी दिवस पर, हम सभी यह संकल्प लें कि हम सरकारी कामकाज में हिंदी का ही प्रयोग करेंगे और अपनी भाषा के महत्व को पूरी दुनिया के सामने गर्व से प्रस्तुत करेंगे।

आइए, इस महत्वपूर्ण दिवस पर हम सभी एकजुट होकर हिंदी भाषा के विकास और समृद्धि में योगदान करने का संकल्प लें ।

इस संदर्भ में भारतेन्दु हरिश्चंद्र की ये पंक्तियाँ प्रेरणादायी हैं-

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,
बिन निज भाषा- ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।

हिंदी दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

14 सितंबर 2023

रजनीश कुमार
मंडल रेल प्रबंधक रतलाम

स्वतंत्रता दिवस की झलकियाँ

स्वतंत्रता दिवस की झलकियाँ

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम की गतिविधियाँ

दिनांक 15.08.2023 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा अरुणोदय बाल मंदिर रतलाम में मंडल रेल प्रबंधक महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में ध्वजारोहण कर बच्चों को उपहार वितरित किए गए |

दिनांक 15.08.2023 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा मंडल कार्यालय एवं मंडल चिकित्सालय रतलाम के सफाई कर्मियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया |

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा अरुणोदय बाल मंदिर रतलाम में मंडल रेल प्रबंधक महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में नए क्लासरूम का उद्घाटन किया गया |

दिनांक 05.09.2023 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया

दिनांक 15.08.2023 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा मंडल चिकित्सालय रतलाम में नवीन RO का शुभारंभ किया गया

रतलाम मंडल की उपलब्धियां

दिनांक 30.06.2023 को श्री सुधीर गुप्ता, सांसद के कर कमलों द्वारा , श्री दिलीप सिंह परिहार, माननीय विधायक एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक , श्री अशफाक अहमद की गरिमामयी उपस्थिति में नीमच स्टेशन से गाडी संख्या 82653/82654 यशवंतपुर –जयपुर सुविधा साप्ताहिक एक्सप्रेस एवं 19668/19667 मैसूरु –उदयपुर सिटी हमसफर साप्ताहिक एक्सप्रेस के प्रायोगिक ठहराव शुभारंभ किया गया |

दिनांक 04.07.2023 को श्री सी. पी. जोशी, माननीय सांसद के कर कमलों द्वारा ,श्री चंद्रभान सिंह आक्या, माननीय विधायक की गरिमामयी उपस्थिति में गाड़ी संख्या 09543/09544 असारवा-डूंगरपुर स्पेशल डेमू ट्रेन के चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन तक का शुभारंभ किया गया |

दिनांक 19.07.2023 को इंदौर - देवास – उज्जैन दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत लक्ष्मी बाई नगर रेलवे स्टेशन पर नवीन स्टेशन भवन का शिलान्यास श्री शंकर लालवानी माननीय सांसद इंदौर , श्रीमती सुमित्रा महाजन माननीय पूर्व लोकसभा अध्यक्ष , सुश्री कविता पाटीदार माननीय संसद राज्यसभा द्वारा के कर कमलों से, श्री संजय शुक्ला माननीय विधायक की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया |

दिनांक 06.08.2023 को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास श्री नरेंद्र मोदी, माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चंदेरिया स्टेशन का शिलान्यास किया गया |

दिनांक 30.08.2023 को श्री गुमान सिंह डामोर माननीय सांसद के कर कमलों द्वारा ,श्री वालसिंह मैड़ा माननीय विधायक की गरिमामयी उपस्थिति में गाड़ी संख्या 09381 /09383 दाहोद – रतलाम- उज्जैन स्पेशल मेमू के कोच संख्या में विस्तार एवं 12471/12472 बांद्रा टर्मिनस – श्रीमता वैष्णों देवी कटड़ा एक्सप्रेस,12473/12474 गांधीधाम – श्रीमता वैष्णों देवी कटड़ा एक्सप्रेस , 12475 /12476 हापा – श्रीमता वैष्णों देवी कटड़ा एक्सप्रेस , 12477 /12478 जामनगर – श्रीमता वैष्णों देवी कटड़ा एक्सप्रेस के बामनिया रेलवे स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव का शुभारंभ किया गया |

दिनांक 04.09.2023 को श्री अश्वनी वैष्णव माननीय रेलमंत्री का दौरा नीमच स्टेशन पर हुआ इस अवसर पर श्री अशोक कुमार मिश्र महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे , श्री विनीत गुप्ता को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण ,श्री रजनीश कुमार मंडल रेल प्रबंधक रतलाम के साथ अन्य वरिष्ठतम अधिकारी भी उपस्थित रहे |

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम

1.डी जी ए मशीन का इंस्टोलेशन एवं कमीशनिंग –

घुलित गैस विश्लेषण मशीन (DGA) रतलाम की प्रयोग शाला में दि. 15.07.2023 को सफलतापूर्वक कमीशन किया गया | उपरोक्त मशीन PHPPH-42 work 2019 RTM diesel shed Creation of maintenance facilities/ M&Ps for locomotives. के अंतर्गत किया गया है |इस मशीन का उपयोग इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के ट्रांसफार्मर और जी आर मे उपयोग होने वाले ऑइल की विश्वश्नियता की जांच की जाती है |

2. कंप्रेसर क्वालिटी युनिट द्वारा कर्मचारी सुरक्षा हेतु पहल –

कंप्रेसर क्वालिटी युनिट ने कंप्रेसर के चारों ओर सुरक्षा गार्ड (लोहे की जाली) का प्रावधान किया है। जोकि क्वालिटी युनिट में कंप्रेसर के परीक्षण के दौरान किसी भी दुर्घटना या चोट से कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने में मदद करेगा। इसे शेड के कर्मचारियों द्वारा शेड में उपलब्ध सामग्री से ईन हाउस तैयार किया गया है |

3. शॉक पल्स मीटर का प्रावधान –

एलसीसी रतलाम द्वारा एक शॉक पल्स मीटर खरीदा गया है और इसका उपयोग ट्रैक्शन मोटर और सीटू स्थिति में सहायक मशीन बीयरिंग की स्थिति की निगरानी के लिए किया जाता है। यह हरे/पीले/लाल क्षेत्र संकेत के साथ उच्च आयाम और निम्न आयाम संख्याएँ दिखाता है। इससे लोकोमोटिव की विश्वसनीयता में सुधार करने में मदद मिलेगी।

4.आरएस वाल्व मॉडिफिकेशन -

मुख्यालय के निर्देशों के अनुपालन में, लोकोमोटिव की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए एलसीसी रतलाम आधारित लोकोमोटिव में आरएस वाल्व की स्थिति को संशोधित किया जा रहा है।

कुल लोको- 136

आरएस वाल्व पहले से ही सुविधाजनक स्थान पर – 80 लोको

आरएस वाल्व संशोधन किया जाना है - 56 लोको

आरएस वाल्व संशोधन किया गया - 33 लोको

5 मास्टर कंट्रोलर में सीलिंग का प्रावधान -

एलसीसी रतलाम में मास्टर कंट्रोलर की सीलिंग का प्रावधान किया गया है। यह लोकोमोटिव के मास्टर कंट्रोलर की उचित सीलिंग सुनिश्चित करके उसमें धूल, गंदगी के प्रवेश को रोकेगा। सीलिंग का यह प्रावधान मास्टर कंट्रोलर के कांटेक्टर की खराबी और निरंतरता टूटने के मामलों को कम करने में मदद करता है।

6. ट्रांसफार्मर के कंजर्वेटर टैंक में ऑयल लेवल मार्किंग का मानकीकरण -

एलसीसी रतलाम ने शेड आधारित लोको के ट्रांसफार्मर के कंजर्वेटर टैंक में ऑयल लेवल मार्किंग का मानकीकरण किया है। यह प्रावधान कंजर्वेटर टैंक में तेल के उचित स्तर को बनाए रखने में मदद करता है और इस तरह लोकोमोटिव की आवश्यकता के अनुसार तेल के स्तर को बनाए रखने और ट्रांसफार्मर की आउट ऑफ कोर्स विफलताओं को कम करने में मदद करता है।

आई.टी. पहल :-

7. एलसीसी रतलाम में स्लैम (SLAM) पर काम शुरू किया गया है - एलसीसी रतलाम की सभी गुणवत्ता इकाइयों में मौजूदा इंटरनेट सुविधाओं के साथ स्लैम पर सफलतापूर्वक काम शुरू कर दिया गया है। पीपीआईओ ने विफलताओं के अद्यतनीकरण के साथ-साथ स्लैम पर दैनिक योजना रिपोर्ट तैयार करना शुरू कर दिया है। जॉब कार्ड जारी करने का काम और काम पूरा होने के बाद एलसीसी रतलाम में जॉब कार्ड सत्यापन भी शुरू हो गया है।

मुख्य इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास कार्य :-

8 .प्लेटफोर्म क्र. 3, 4 एवं 5 का नवीनीकरण -

एलसीसी रतलाम में एपॉक्सी शीट के प्रावधान के साथ प्लेटफोर्म नंबर 3,4 और 5 की आरसीसी फर्श की मरम्मत पूरी हो गई है | उपरोक्त कार्य को PH-42 Umbrella Work 2020-21 i.e. "Creation of Infrastructure and test set up at diesel shed RTM for homing electric locomotives" के अंतर्गत सेंक्शन किया गया था | इसकी मदद से स्टाफ प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित तरीके से काम कर सकता है। यह रखरखाव और स्वच्छता बनाए रखने में भी सहायक है।

कार्य वातावरण में सुधार:-

9 . शेड परिसर से झाड़ियाँ, अतिरिक्त वनस्पति हटाना -

एलसीसी रतलाम में आयोजित सफाई अभियान के एक भाग के रूप में शेड कर्मचारियों द्वारा एलसीसी रतलाम के परिसर से झाड़ियों, अतिरिक्त वनस्पति को हटाया गया है।

पहले **बाद में**

संरक्षा एवं प्रशिक्षण :-

10. संरक्षा सेमीनार -

दिनांक 19.07.2023 को डीटीटीसी रतलाम में एक संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया। इस संरक्षा सेमिनार में पिछले स्पेड (SPAD) मामलों में रनिंग स्टाफ द्वारा की गई गलतियों और उन्हें रोकने के तरीके के बारे में बताया गया | ट्रेन संचालन के दौरान ब्रेक फील और ब्रेक टेस्ट और लोको को कैसे स्थिर किया जाए, यहभी बताया गया। सेमिनार में 74 लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट सम्मिलित हुए |

11 . एलसीसी रतलाम में अग्निशमन मॉक ड्रिल -

दिनांक 10.07.2023को डीटीटीसी रतलाम द्वारा आपदा प्रबंधन एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। उपरोक्त ड्रिल के दौरान अग्निशामक यंत्र के उपयोग एवं आपदा प्रबंधन संबंधी जानकारी दी गई। इसमें शेड की विभिन्न क्वालिटी यूनिट के कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया।

12 . एलसीसी रतलाम के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन -

मंडल चिकित्सालय रतलाम रतलाम के समन्वय से दिनांक 07.07.23,14.07.2023, 21.07.2023, 28.07.2023 को एलसीसी रतलाम मे स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया | इस अभियान के द्वारा कुल 157 कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया |

13 . एलसीसी रतलाम में मिशन संपर्क शिविर का आयोजन किया गया -

सेवा पत्रक की जांच और सेवा रिकॉर्ड में की गई प्रविष्टियों में किसी भी सुधार के लिए को एलसीसी 28.07.2023रतलाम में मिशन संपर्क शिविर का आयोजन किया गया।
उपरोक्त शिविर में मंडल के डब्ल्यूएलआई और उनकी टीम उपस्थित थे | कुल 48कमर्चारियो द्वारा शिविर में भाग लिया गया |

14. राजभाषा तिमाही बैठक

राजभाषा द्वितीय तिमाही बैठक वर्ष 2023 का आयोजन लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में दिनांक 27.07.2023 को किया गया उपरोक्त बैठक वरि.मं.यां.इंजी डी रतलाम की अध्यक्षयता मे एवं शेड कर्मचारियों एवं राजभाषा पदाधिकारियों की उपस्थिति मे आयोजित की गई | राजभाषा बैठक के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न मदों पर चर्चा की गयी | बैठक के दौरान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें पिछली प्रश्नोत्तरी के विजेता कर्मचारियों को पुरुस्कृत किया गया | साथ ही इस बैठक में आयोजित प्रश्नोत्तरी में श्री लक्ष्य ताम्रकार (जे.ई.), श्री प्रदीप महावर(एस.एस.ई.) श्री सीमांत कोठारे (एस.एस.ई.) द्वारा क्रमशः प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया गया |

15. हरित पहल - इस माह के दौरान एलसीसी रतलाम के परिसर में शेड अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों द्वारा लगभग 30 पौधे जिसमें , आम, गुलेर, जामुन आदि शामिल हैं। यह शेड की हरियाली बढ़ाने और शेड के कर्मचारियों के लिए सुखद कार्य वातावरण/माहौल प्रदान करने में मदद करेगा।

अगस्त 2023

1. पुरानी बैटरियों की बहाली -

एलसीसी रतलाम ने पुरानी बैटरियों की मरम्मत शुरू कर दी है, जिनकी एसपीजी और सेल वोल्टेज कम है, उन्हें साफ करके और पुरानी बैटरियों से सल्फेशन और जंग को हटाकर। इसके अलावा उपयुक्त एसपीजी और वोल्टेज के साथ नई बैटरियां बनाने के लिए पुरानी बैटरियों से काम करने वाली कोशिकाओं को निकाला गया। लगभग कुल 20 बैटरियां। लागत रु. 12,54,620/- को लोकोमोटिव में काम करने के लिए उपयुक्त बनाया गया और इससे रेलवे राजस्व की बचत हुई।

2. शंटिंग लोकोमोटिव में गति प्रतिबंध का प्रावधान -

आरडीएसओ संशोधन शीट संख्या ईएल/2.2.9/10 दिनांक 26.05.2023 के अनुपालन में पारंपरिक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में 15 किमी प्रति घंटे तक की गति प्रतिबंध का प्रावधान शुरू किया गया है। यह संशोधन लोको नंबर 23405(**WAG5T**) में किया गया है। स्पीडोमीटर के अतिरिक्त रिले आउटपुट एन/ओ संपर्क का उपयोग करके शंटिंग मोड संचालन सुनिश्चित किया गया है।

सामग्री प्रबंधन में सुधार -

3 . चूंकि रेलवे बोर्ड ने **8**-पहिया और **4**-पहिया टॉवर वैगनों के पीओएच शेड्यूल के लिए एलसीसी रतलाम को नामित किया है। एलसीसी आरटीएम ने टावर वैगनों का समय पर रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए सामग्री की अग्रिम योजना के लिए कर्मचारियों को दाहोद कार्यशाला में भेजकर पीओएच अनुसूची के लिए आवश्यक सामग्रियों का विवरण एकत्र किया है। इसके साथ ही डीजल इंजनों की प्रमुख अनुसूची के लिए आवश्यक सामग्री, एलसीसी आरटीएम ने भारतीय रेलवे के सभी शेडों मे खोज की और सहायता में चारबाग शेड, लखनऊ से **29** डीजल लोको आइटम और डीजल शेड वटवा से **19** डीजल लोको स्पेयर एकत्र किए।

4 . वर्ष 2024-25 के लिए आईआरएसपी प्रस्ताव -

लोकोमोटिव केयर सेंटर, रतलाम तेजी से पूरी तरह से इलेक्ट्रिक लोको शेड में तब्दील हो रहा है। शेड में पारंपरिक इलेक्ट्रिक इंजनों की संख्या बढ़ाकर **135** कर दी गई है। शेड ने इन लोकोमोटिव के कुशल रखरखाव के लिए आईआरएसपी वस्तुओं की आवश्यकताओं की पहचान की है और आईआरएसपी कार्यक्रम **2024-25** में शामिल करने के लिए **16** वस्तुओं का प्रस्ताव दिया है। वस्तुओं में ट्रैक्शन मोटर्स, ट्रांसफार्मर **5400** केवीए, टैप चेंजर, कंप्रेसर, वीसीडी, पेंटोग्राफ, बोगी फ्रेम, ब्रेक वाल्व का सेट, वीसीबी, ईएसएमओएन, एसआईवी, सीजीआर, बैटरी चार्जर आदि शामिल हैं। प्रमुख यूईएस की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता से रखरखाव में सुधार करने में मदद मिलेगी शेड में लोको के न्यूनतम अवरोधन के साथ गुणवत्ता में भी बढौतरी होगी।

किए गए प्रमुख कार्य:-

5. एसी लोको ऑयल परीक्षण प्रयोगशाला का नवीनीकरण

एलसीसी रतलाम आधारित एसी लोकोमोटिव तेल परीक्षण कक्ष के पुराने और अप्रयुक्त हिस्से को सुरक्षा बढ़ाने और लाइन पर लोको के सुचारू संचालन के लिए एक ही स्थान पर विभिन्न विश्वसनीयता परीक्षण करने के लिए उपयोग करने के लिए पुनर्निर्मित किया गया |

6. लोकोमोटिव पेंटिंग ड्राइव का शुभारंभ:

एलपी/एएलपी के कामकाजी माहौल को बेहतर बनाने और लोकोमोटिव के स्वरूप को बेहतर बनाने के लिए लोकोमोटिव पेंटिंग ड्राइव का शुभारंभ किया गया।
महीने में कुल 13 लोकोमोटिव को पूरी तरह से पेंट किया गया और 02 लोकोमोटिव केबिन को पेंट किया गया।

7. जल निकासी व्यवस्था में सुधार:

एलसीसी रतलाम को पिछले 2-3 वर्षों से बरसात के मौसम में जल जमाव की समस्या का सामना करना पड़ा है। उपरोक्त समस्या को देखते हुए, इस वर्ष एलसीसी आरटीएम जनरल गैंग ने पानी के बेहतर मार्ग के लिए नाली लाइनों को साफ करने और रुकावटों को दूर करने की पहल की। जहां रुकावटों को दूर करना संभव नहीं था, वहां नई नालियां भी बनाई गईं, जिसके कारण इस वर्ष जल जमाव की कोई समस्या नहीं हुई ताकि रखरखाव का काम बिना किसी रुकावट के जारी रहे।

8. कार्यालय फर्नीचर का शेड में निर्माण -

एलसीसी रतलाम स्टाफ ने कर्मचारियों को बेहतर वातावरण प्रदान करने और कार्यालय के रखरखाव को बढ़ाने के लिए कार्यालय उपयोग के लिए फर्नीचर तैयार किया है। शेड के कर्मचारियों द्वारा शेड में कुल 12 टेबल (04 कार्यालय टेबल + 08 कंप्यूटर टेबल) तैयार की गई और इससे रेलवे राजस्व बचाने में मदद मिली।

9. संरक्षा सेमिनार -

दिनांक **16.08.2023** को डीटीटीसी, रतलाम में रनिंग श्रेणी के प्रशिक्षुओं के लिए रेल परिचालन में संरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मंडल के संरक्षा विभाग के सहयोग से एक संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया था। इस संरक्षा सेमिनार में मानवीय भूलों के कारण दुर्घटना के संभावित कारणों और त्रुटिरहित ट्रेन परिचालन के लिए क्या विशेष प्रयास किये जाने चाहिए, इस पर चर्चा की गयी. सेमिनार में कुल **66** लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलटों ने भाग लिया.

10. एलसीसी आरटीएम में अग्निशमन प्रशिक्षण -

दिनांक **23.08.2023** को डीटीटीसी, रतलाम द्वारा अग्निशमन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। सत्र में उपस्थित कर्मचारियों को अग्निशामक यंत्रों के प्रकार, उनके उपयोग एवं आग से बचाव, आपदा की स्थिति से निपटने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें शेड की विभिन्न गुणवत्ता इकाइयों से **19** कर्मचारियों ने भाग लिया |

11. एलसीसी रतलाम के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन -

संभागीय अस्पताल, रतलाम के समन्वय से दिनांक 11.08.2023, 18.08.2023 और 25.08.2023 को एलसीसी रतलाम में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए थे। इस अभियान के दौरान कुल 103 कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया साथ ही 40 वर्ष से ऊपर के कर्मचारियों का ईसीजी परीक्षण भी किया गया |

12. स्वतंत्रता दिवस - एलसीसी रतलाम ने 15 अगस्त को 77वां स्वतंत्रता दिवस पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया इस अवसर पर, लोकोमोटिव केयर सेंटर परिसर में एक ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शेड अधिकारी, पर्यवेक्षक और कर्मचारी, डीटीटीसी कर्मचारी, आरपीएफ कर्मचारी और स्काउट सदस्यों ने भाग लिया। इस समारोह में सी. डीएमई/डीएल ने वर्ष 2022-23 के दौरान शेड के कुल 21 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र भी प्रदान किया।

सितम्बर 2023

एलसीसी रतलाम में किया गया तकनीकी सुधार –

1.**बैटरी निगरानी प्रणाली का प्रावधान -**

एलसीसी रतलाम में बैटरी मॉनिटरिंग सिस्टम का काम सफलतापूर्वक शुरू हो गया है। इसे **PH-42** कार्य **2019-20** रतलाम (डी/शेड): स्टाफ कैंटीन में छत की ऊपरी शीटों का प्रतिस्थापन और अन्य कार्य और बैटरी रूम का नवीनीकरण" के तहत मंजूरी दी गई थी । इसका उपयोग बैटरी के तापमान, करंट, वोल्टेज और चार्जिंग समय की सटीक निगरानी के लिए किया जा रहा है और इस तरह उनकी विश्वसनीयता और लाइन पर लोको की विश्वसनीयता को बढ़ाया जा रहा है।

2.**फोर्क लिफ्टर** 3 **टी -**

एसी लोकोमोटिव के रखरखाव के क्षेत्र में लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम तेजी से बदलाव कर रहा है। उपरोक्त परिवर्तन के लिए आवश्यक एमएंडपी की खरीद तदनुसार शेड द्वारा की गई है।

उपरोक्त मद को **PH-42** अम्ब्रेला कार्य **2020-21** के तहत स्वीकृत किया गया था अर्थात "होमिंग इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए डीजल शेड आरटीएम में बुनियादी ढांचे का निर्माण और परीक्षण सेट अप" जो **21.09.2023** को प्राप्त हो गया है और सफलतापूर्वक चालू हो गया है। इस वस्तु का उपयोग भारी उपकरणों को उठाने और वांछित स्थानों तक ले जाने के लिए किया जाता है।

3.**बैटरी चालित प्लेटफार्म ट्रक** 4**टी का प्रावधान -**

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम एक पूर्ण इलेक्ट्रिक लोको रखरखाव शेड में तब्दील हो रहा है, जिसके लिए शेड द्वारा उपरोक्त परिवर्तन के लिए आवश्यक एमएंडपी की खरीद की जा चुकी है। बैटरी चालित प्लेटफॉर्म ट्रक को **PH-42** अम्ब्रेला वर्क **2020-21** के तहत मंजूरी दी गई थी, यानी "होमिंग इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए डीजल शेड आरटीएम में बुनियादी ढांचे का निर्माण और परीक्षण सेट अप" जिसे **11.09.2023** को प्राप्त किया गया और सफलतापूर्वक चालू किया गया। इस मद का उपयोग शेड परिसर के भीतर प्रासंगिक वस्तुओं के कुशल आंतरिक परिवहन के लिए किया जाता है। चूंकि यह वाहन बैटरी से संचालित होती है, इसलिए यह ईंधन की खपत भी बचाती है और शेड में प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाए रखने में मदद करती है।

कार्य वातावरण में सुधार

4. **स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान शेड परिसर की सफाई -**

एलसीसी आरटीएम में आयोजित सफाई अभियान के एक भाग के रूप में शेड कर्मचारियों द्वारा एलसीसी आरटीएम के परिसर में झाड़ियों, अतिरिक्त वनस्पति को हटाया गया है।

सुरक्षा और प्रशिक्षण

5 .**संरक्षा सेमिनार -**

दिनांक 13.09.2023 को डीटीटीसी/रतलाम में संरक्षा विभाग के समन्वय से एक संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया। इस संरक्षा सेमिनार में पिछले एसपीएडी मामलों में रनिंग स्टाफ द्वारा की गई गलतियों और उन्हें रोकने के तरीके के बारे में बताया गया। ट्रेन संचालन के दौरान ब्रेक फील और ब्रेक टेस्ट और लोको को कैसे स्थिर किया जाए, यह भी बताया गया। सेमिनार में कुल 31 लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट ने भाग लिया.

6. **एलसीसी आरटीएम में अग्निशमन मॉक ड्रिल -**

दिनांक 29.09.2023 को डीटीटीसी/रतलाम द्वारा आपदा प्रबंधन एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

अग्निशामक यंत्र के उपयोग एवं आपदा प्रबंधन संबंधी जानकारी दी गई। इसमें शेड की विभिन्न गुणवत्ता इकाइयों से 23 प्रशिक्षु और कर्मचारी भाग लेते हैं।

7. विफलता समीक्षा बैठक -

अगस्त 2023 माह के दौरान विफलताओं पर चर्चा के लिए डीटीटीसी रतलाम में 27.09.2023 को विफलता समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान विफलता के कारणों और ऐसी विफलताओं से बचने के लिए निवारक कार्य योजना पर चर्चा की गई। बैठक में सीनियर डीएमई/डीएसएल, एडीएमई/डीएसएल-I और II और एलसीसी आरटीएम के पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

8. **अग्नि सुरक्षा लेखापरीक्षा -**

रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुपालन में अग्नि सुरक्षा की तैयारियों का पता लगाने के लिए एलसीसी आरटीएम में एक सुरक्षा ऑडिट आयोजित किया गया था। ऑडिट के दौरान एलसीसी आरटीएम की सभी गुणवत्ता इकाइयों को कवर किया गया और शेड में अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पाई गई कमियों को संकलित और ठीक किया गया।

9. एलसीसी रतलाम के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन -

संभागीय अस्पताल, रतलाम के समन्वय से दिनांक **08.09.2023, 15.09.2023** और **22.09.2023** को एलसीसी रतलाम में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। इस अभियान के दौरान कुल **69** कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया साथ ही **40** वर्ष से ऊपर के कर्मचारियों का ईसीजी परीक्षण भी किया गया।

10 .डीटीटीसी के प्रशिक्षुओं को योग प्रशिक्षण -

डीटीटीसी, रतलाम ने विभिन्न पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के दौरान रनिंग श्रेणी के प्रशिक्षुओं के लिए योग प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। योग फिटनेस बढ़ाने और रनिंग स्टाफ की व्यस्त ड्यूटी के कारण तनाव दूर करने में मदद करता है। माह के दौरान कुल **124** प्रशिक्षुओं को योग प्रशिक्षण दिया गया।

11 .एलसीसी रतलाम में मिशन संपर्क शिविर का आयोजन -

सर्विस शीट की जांच और सर्विस रिकॉर्ड/एचआरएमएस में की गई प्रविष्टियों में किसी भी सुधार के लिए **01.09.2023** और **06.09.2023** को एलसीसी आरटीएम में मिशन संपर्क शिविर आयोजित किया गया था। यह शिविर प्रभाग के डब्ल्यूएलआई और उसकी टीम के समन्वय में है। कुल **90** कर्मचारियों शिविर में ने भाग लिया

12.नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता -

शेड के कर्मचारियों द्वारा रेलवे स्टेशनों के पास वाले क्षेत्रों में खुले में शौच के खिलाफ और एकल-उपयोग प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया था। नुक्कड़ नाटक के दौरान अधिकारी एवं शेड कर्मचारी उपस्थित थे।

यांत्रिक विभाग रतलाम

1. **रतलाम में ब्रॉड गेज टर्नटेबल का नवीनीकरण:**

रतलाम की ब्रॉड गेज टर्नटेबल को आवश्यक मरम्मत के बाद 12.07.2023 को कार्यरत किया गया और परीक्षण के दौरान सफल पाया गया।

यह 96 साल पुरानी संपत्ति रोलिंग स्टॉक की दिशा परिवर्तन के उपयोग के लिए रेलवे की सेवा के लिए फिर से तैयार है, अन्यथा रोलिंग स्टॉक की दिशा परिवर्तन के लिए अतिरिक्त चालक दल, लोको, पथ, समय इत्यादि जैसी बाधाओं के साथ फतेहाबाद त्रिकोण में ले जाना पड़ता था।

उपकरण का विवरण :

मेक	RANSOMES & रिपेयर Ltd	देश	ENGLAND, TOWN-IPSWICH
रेलवे द्वारा स्थापित	BB & CIR,	कॉन्ट्रैक्ट नं.	BB 75
निर्मित वर्ष	1927	आयु	96 वर्ष
क्षमता	267.5 Tons	स्थिति	कार्यरत

इंजन की दिशा बदलने वाली 96 साल पुरानी ब्रॉडगेज टर्न टेबल फिर सर्विस में

2. **शाकू कपलर ओपनिंग मॉडल का घरेलू विकास करके एमडीडीटीआई-रतलाम में प्रदान किया गया**

डीसीडब्ल्यूआई (कोचिंग)-रतलाम,सीएलआई-रतलाम (ईंधन) और एसएसई-दाहोद द्वारा रनिंग स्टाफ और प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शाकू कपलर ओपनिंग मॉडल का घरेलू विकास करके एमडीडीटीआई-रतलाम में प्रदान किया गया। सितम्बर-23 तक कुल 91 कर्मचारियों (43-सी एंड डब्ल्यू स्टाफ, 16- लोको पायलट , 02- सहा. लोको पायलट, 09-ट्रेन मैनेजर, 21- अन्य (टीएफसी स्टाफ)) को शाकू कपलर खोलने की प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया गया है। शाकू कपलर खोलने की प्रक्रिया को आसानी से समझने के लिए एमडीडीटीआई-रतलाम को लघु वीडियो भी प्रदान किया गया था।

3. **हेरिटेज स्पेशल ट्रेन का त्रि-साप्ताहिक (शुक्र, शनिवार और रविवार) परिचालन किया गया :**

मीटर गेज हेरिटेज स्पेशल (पातालपानी-कालाकुंड) का नियमित संचालन 26.08.23 से सफलतापूर्वक शुरू किया गया और पातालपानी स्टेशन पर नवनिर्मित पिट लाइन पर रखरखाव करने के बाद सितंबर-23 में 08.09.23 से त्रि-साप्ताहिक नियमित संचालन किया गया।

4. **कोचिंग डिपो, डॉ. अम्बेडकर नगर में एलएचबी कोचों में फीबा संशोधन का कार्य पूरा किया**

कोचिंग डिपो, इंदौर में दिनांक 26.08.23 को और डॉ. अम्बेडकर नगर में दिनांक 21.05.23 CAI द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार एयर स्प्रिंग फिटेड एलएचबी कोचों में फीबा संशोधन कार्य को पूरा किया जा चूका है। इस संशोधन के तहत इंदौर डिपो में सभी उपलब्ध 259 एलएचबी कोच संशोधित किए हुए हैं। डॉ. अम्बेडकर नगर में कुल 86 कोच संशोधित किए गए और अब सभी उपलब्ध 101 एलएचबी कोच संशोधित किए हुए हैं। यह संशोधन इनरूट पर फीबा से होने वाली विफलता को दूर करने में मदद करेगा।

5. **इंदौर डिपो की सिक-लाइन के विस्तारित हिस्से में डीएसएल बस बार का प्रावधान:**

प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/पश्चिम रेलवे द्वारा दिनांक 21.06.2023 को कोचिंग डिपो, इंदौर के निरीक्षण के दौरान दिये गये निर्देशों का पालन करते हुए कोटेशन के माध्यम से डीएसएल बस बार के विस्तार का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इससे डिपो को नई ईओटी क्रेन मिलने तक शेड के विस्तारित हिस्से में मौजूदा ईओटी क्रेन का उपयोग संभव हो जाएगा।

6. **कोचिंग केयर कॉम्प्लेक्स, डॉ. अंबेडकर नगर (डीएडीएन) में एल डब्ल्यू एल आर आर एम के गार्ड रूम में डॉग-बॉक्स के निर्माण और रेट्रो-फिटमेंट का कार्य समापन:**

कोचिंग डिपो, डीएडीएन में रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2007/एम(सी)/137/16 पावर कार दिनांक 25.01.23 के माध्यम से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, 02 एल डब्ल्यू एल आर आर एम के गार्ड रूम में डॉग-बॉक्स का इन-हाउस निर्माण और रेट्रोफिटिंग का कार्य सिक लाइन में निर्दिष्ट डिज़ाइन और ड्राइंग का पालन करते हुए सितंबर-2023 में विभागीय रूप से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। परिणामस्वरूप, कोचिंग डिपो, डीएडीएन में उपलब्ध सभी 09 एलडब्ल्यूएलआरआरएम में अब गार्ड रूम में डॉग-बॉक्स का प्रावधान है।

7. **मंडल रेल प्रबंधक –रतलाम और वरि.मंडल यांत्रिक इंजीनियर - रतलाम द्वारा सुरक्षा सेमिनार के दौरान पर्यवेक्षकों को काउंसलिंग किया गया:**

मंडल रेल प्रबंधक –रतलाम और वरि.मंडल यांत्रिक इंजीनियर - रतलाम द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुरक्षा सेमिनार आयोजित किया गया। सुरक्षा सेमिनार के दौरान सभी पर्यवेक्षकों को रोलिंग स्टॉक के रखरखाव के दौरान सुरक्षा उपायों ,कार्यस्थल पर उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) पहनने और मशीनरी के साथ काम करते समय सुरक्षा सुनिश्चित करने का परामर्श दिया गया। । इसके अतिरिक्त, उन्हें रखरखाव मैनुअल में उल्लेखित मानक प्रक्रियाओं का पालन करने का निर्देश दिया गया।

8. **पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधन विंग, रतलाम द्वारा 16.09.2023 से 30.09.2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन और समन्वय किया गया :**

रतलाम मंडल के पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधन विंग द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन और समन्वय 16 सितंबर, 2023 से 2 अक्टूबर, 2023 तक किया गया और स्वच्छता पखवाड़ा 2023 के दौरान 16.09.2023 से 30.9.23 तक पूरे रतलाम मंडल में स्वच्छता के स्तर में सुधार के लिए निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :

- स्वच्छता शपथ और स्वच्छ जागृति (स्वच्छता प्रतिज्ञा और स्वच्छता जागरूकता)।
- स्वच्छ संवाद (स्वच्छता संवाद/सार्वजनिक)।
- स्वच्छ स्टेशन
- स्वच्छ रेलगाड़ी।
- स्वच्छ पथ्री (स्वच्छ ट्रैक)।
- स्वच्छ कार्यालय, स्वच्छ कॉलोनियां और परिसर (स्वच्छ कार्यस्थल और स्वच्छ आवासीय परिसर)।

- स्वच्छ आहार।
- स्वच्छ नीर (स्वच्छ जल)।
- स्वच्छ जल निकाय और पार्क (स्वच्छ जलशाये और पार्क)।
- स्वच्छ स्पर्धा (प्रतियोगिताएँ)।
- प्लास्टिक के उपयोग को ना कहें।
- वृक्षारोपण।

स्वच्छता का संकल्प एवं प्रभात फेरी

ट्रैक की सफाई

स्टेशन की सफाई

रेलवे कॉलोनी में फ्युमिगेशन

पेंट्री स्टाफ की काउंसलिंग

इंदौर डिपो एवं रतलाम कॉलोनी

9. **इंदौर स्टेशन पर एनजीओ के साथ सफाई अभियान चलाया गया:**

स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक एनजीओ के सहयोग से सितंबर 2023 में इंदौर स्टेशन पर सफाई अभियान चलाया गया।

****

राजभाषा की गतिविधियाँ

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक - दिनांक 11.08.2023 को मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक आयोजित की गई जिसमें मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों ने भाग लिया तथा राजभाषा की तिमाही प्रगति पर चर्चा की गई एवं राजभाषा प्रश्नमंच का आयोजन भी किया गया।

मंडल पर कर्मचारियों की सहायतार्थ ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन –

इंदौर एवं डॉ.अम्बेडकर नगर स्टेशन पर दिनांक 21.08.2023 से 25.08.2023 तक संयुक्त हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 16 कर्मचारियों को राजभाषा नीति -नियमों की जानकारी दी गई।

राजभाषा पखवाड़ा -2023

राजभाषा पखवाड़ा-2023 रतलाम मंडल पर दिनाक 14.09.2023 से 29.09.2023 तक राजभाषा पखवाड़ा उल्लासपूर्वक मनाया गया। इसके अंतर्गत अधिकारीयों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रकार की राजभाषा प्रतियोगिताएं आयोजित की गई

- दिनांक 14.09.2023 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक एवं मंडल रेल प्रबंधक के हिंदी दिवस संदेशों का वाचन किया गया।
- दिनांक 18.09.2023 को अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 06 अधिकारियों एवं 27 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- दिनांक 18.09.2022 को कर्मचारियों के लिए हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 16 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- दिनांक 20.09.2022 को कर्मचारियों के लिए वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 17 कर्मचारियों ने भाग लिया
- दिनांक 20.09.2022 को कर्मचारियों के लिए स्वरचित हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 18 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- दिनांक 21.09.2022 को कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रश्नमंच का आयोजन में 50 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया
- दिनांक 22.09.2022 को आयोजित रामधारी सिंह दिनकर की जयंती में अतिथि वक्ता डॉ.प्रो. कमला शर्मा ने व्याख्यान दिया तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिनकर जी की कविताओं का सस्वर पाठ किया।
- दिनांक 22.09.2023 को अधिकारियों के लिए राजभाषा प्रश्नमंच का आयोजन में 32 अधिकारियों ने भाग लिया।
- दिनांक 22.09.2023 को अधिकारियों के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन में 07 अधिकारियों ने भाग लिया
- दिनांक 29.09.2023 को राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह के अंतर्गत हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें श्री अब्दुल सलाम खोकर- हास्य गज़ल रतलाम के मंच संचालन में श्री पं.अशोक नागर – हास्य कवि, शाजापुर , सुश्री विभा शुक्ला –श्रृंगार कवयित्री वाराणसी , डॉ.मोहन बैरागी गीतकार उज्जैन , श्री प्रवीण अत्रे हास्य कवि खरगोन , श्री मनीष गोस्वामी ब्यावरा एवं श्री निसार पठान – ओज देशभक्ति कवि रंभापुर ने काव्य पाठ किया।

राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत रतलाम रेल मंडल पर 29 सितम्बर 2023 को राजभाषा विभाग द्वारा हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन ख़ूब सफल रहा। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम की अध्यक्षा श्रीमती सपना अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर कवि सम्मेलन का शुभारंभ किया। इसके पश्चात कवियों को सम्मानित किया। तत्पश्चात खोकर रतलामी के संचालन में हास्य कवि -सम्मेलन का आगाज हुआ। प्रथम काव्यपाठ आशु कविता से निसार पठान ने प्रारम्भ किया,और देशभक्ति तक ले गए,बढ़िया पारी ,उसके बाद आए मनीष गोस्वामी ब्यावरा ने हास्य मुक्तकों से समा बाँधा। हास्य की इस फ़िज़ा को आगे बढ़ाया खरगोन के प्रवीण अत्रे ने। हँसने हँसाने के बाद डॉ. मोहन बैरागी उज्जैन ने' एक टुकड़ा धूप,एक टुकड़ा छाँव 'जैसे गीतों से भावपूर्ण माहौल दिया और गीत विधा की सार्थकता को सिद्ध किया और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और शाजापुर के हास्य कवि अशोक नागर ने चुटीले हास्य व्यंग्य से ख़ूब हँसाया। फिर बारी श्रंगार की जिसे विभा शुक्ला बनारस ने मधुर आवाज़ से माधुर्य वर्षा की।

अंत में खोकर रतलामी ने हज़ल हास्य के साथ श्रंगार गीत,ग़ज़ल तथा वात्सल्य गीत से समापन तक रस बिखेरा। मंत्रमुग्ध श्रोताओं में मंडल के , अधिकारी, कर्मचारी एवं पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की पदाधिकारी भी थीं, सभी ने ख़ूब आनंद लिया,तालियों से कवियों की सराहना की स्वागत भाषण और आभार प्रदर्शन राजभाषा अधिकारी और वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक श्री अमीर यादव ने किया।

राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत 14 से 29 सितम्बर 2023 तक आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां

दिनांक 14.09.2023 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक एवं मंडल रेल प्रबंधक के हिंदी दिवस संदेशों का वाचन किया गया |

दिनांक 18.09.2023 को कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 18.09.2023 को कर्मचारियों के लिए हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता

दिनांक 20.09.2022 को कर्मचारियों के लिए वाक् प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 20.09.2022 को कर्मचारियों के लिए स्वरचित हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 21.09.2022 को कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रश्नमंच का आयोजन

दिनांक 23.09.2022 को रामधारी सिंह दिनकर की जयंती का आयोजन

दिनांक 29.09.2023 को राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह के अंतर्गत

'हास्य कवि सम्मेलन' का आयोजन

दिनांक 29.09.2023 को राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह के अंतर्गत हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें श्री अब्दुल सलाम खोकर- हास्य गज़ल रतलाम के मंच संचालन में श्री पं.अशोक नागर – हास्य कवि, शाजापुर , सुश्री विभा शुक्ला –श्रृंगार कवयित्री वाराणसी , डॉ.मोहन बैरागी गीतकार उज्जैन , श्री प्रवीण अत्रे हास्य कवि खरगोन , श्री मनीष गोस्वामी ब्यावरा एवं श्री निसार पठान – ओज देशभक्ति कवि रंभापुर ने काव्य पाठ किया।

हास्य कवि सम्मेलन
(राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत)
पश्चिम रेलवे
रतलाम मंडल
श्री खोकर रतलामी
हास्य ग़ज़ल रतलाम
सूत्रधार एवं संयोजक
सुश्री विभा शुक्ला
श्रृंगार रस कवयित्री
वाराणसी
श्री अशोक नागर
हास्य कवि
बाजापुर
डॉ. मोहन बैरागी
गीतकार
उज्जैन
श्री प्रवीणअज्ञे
हास्य कवि
खरगोन
श्री मनीष गोस्वामी
हास्य कवि
ब्यावरा
दिनांक : 29 सितम्बर 2023
समय : 15.00 बजे से
श्री निसार पठान
ओज देशभक्ति कवि
रंभापुर
स्थान : अधिकारी क्लब एनेक्सी
मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय
परिसर, रतलाम

राजभाषा पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह -2023

आजा री चिड़िया कविता

तेरे लिए एक नया

घर बनाया है

छप्पर को भुल जा तू

बीते दिनों की सब बातें हैं

समय के साथ

तुझे बदलना होगा

समझौतों पर चलना होगा

ज्वार-बाजरा के खेत

कम हो गये

नई फसल संग ढलना होगा

रंग-बिरंगे नये घर में

तुझे अब पलना होगा

आजा री चिड़िया

मैंने तेरे लिए एक नया घर बनाया है।

शिव चौहान
वरिष्ठ ट्रेन मैनजर
रतलाम मंडल

मायरा/मामेरा कविता

भावुकता के द्वार पर

आंखों के किवाड़ से

पानी की बुंदे

सहज ही रपट कर

गालों पर आ जाती है

भीगने लगता है, दामन

खूब रोती है, बेटियां

मार्मिक दृश्य संग

हर किसी की आंखें नम हो जाती है

शायद बेटियों को

बचपन की याद आ जाती है

साथ ही इस प्रसंग पर

गाये जाने वाले गीत भी

भाव विभोर कर देते हैं

सच मानें में बेटियों को कुछ नहीं चाहिए

वो पीहर वाले से मिलने की भुखी है

मायरा तो एक रीति -रिवाज़ हैं।

शिव चौहान
वरिष्ठ ट्रेन मैनजर
रतलाम मंडल

रेल कविता

आओ साथियों मिलकर खेलें खेल'
हम सब मिलकर चलाएं रेल
ड्राइवर, साहब तुम इंजन बन जाओ
बाकी कर्मचारी बोगी बन जाएं
आगे बढ़ती जाती रेल
इठलाती –बल खाती रेल
आओ साथियों मिलकर खेलें खेल'
हम सब मिलकर चलाएं रेल
नदियों पहाड़ियों से करती मेल
सुंदर –सुंदर दृश्य दिखाती
जंगल ,गांव ,शहर घुमाती
सभी जरूरत का सामान लाती
सबको अपनी मंज़िल पर पहुंचाती
आओ साथियों मिलकर खेलें खेल'
हम सब मिलकर चलाएं रेल

जीवन देवी खण्डेलवाल
कार्यालय अधीक्षक ईई स्था .
मंडल कार्यालय रतलाम

बेटा तुम खुश रहना कविता

तुम जहां रहो खुश रहना बेटा ,
मैं अपना काम चला लूंगा |
कोई पूछेगा तो व्यस्त है कह कर ,
इज्जत अपनी बच लूंगा |
हाथ –पांव चलते रहेंगे
तो बस कुछ साल और निभा लूंगा
पैसा जरूरी है भविष्य के लिए ,
सब को यह बात दूंगा
मेरी जरूरत पड़े तो बात देना
मैं आज भी तुझे संभाल लूंगा

ओ. पी . मीना
वरि. अनु. राजभाषा
मंडल कार्यालय रतलाम

'हिंदी प्रेम की भाषा' कविता

हिंदी तो युग-युग से , उपकार की भाषा है
देश की संस्कृति ,संस्कारों की ,प्रेम की भाषा है
इसमें नौ रसों का सार है , सभी इसमें अलंकार है
यह उदगार से लेकर , उद्धार की भाषा है
प्रेम से इसे बोलो तो, सब बस में हो जाते हैं
सुख-दुख मे यह पूरे परिवार की भाषा हैं
जिस भाषा की आत्मा , मानवता का हित है
हिंदी उस सत्य-अहिंसा के अवतार की भाषा है
जो सब में , सब जिसमें समाहित हैं
हिंदी तो जीवन के शृंगार की भाषा है
हिंदी भारत के जन-जन की भाषा है
हिंदी तो मन की , प्रेम की भाषा हैं

लक्ष्य ताम्रकार
कनि. अनुदेशक
डीटीडीसी रतलाम

हिंदी

समता सामंजस्य समरसता हिंदी
अनेकता में एकता की सूत्रधार हिंदी
जीवन ज्वलेत जागृत हिंदी
चेतना से उभरी सचेतना हिंदी
भावनाओं की सरलता हिंदी
समग्रताओं पर आस्थाएँ हिंदी
मान सम्मान अभिमान हिंदी
हिन्दुस्तान की है पहचान हिंदी
संस्कार संस्कृति समन्वय हिंदी
विजय विश्व विधाता हिंदी
भारत का अभिमान हिंदी
भाषाओं में सिरमौर हिंदी
मेरी हिंदी हर और हिंदी
हर चेहरे कि मुस्कान हिंदी
भारत का सम्मान हिंदी
भाषाओं के मधुवन में महकती हिंदी
मुहर लगती चमकती हिंदी
उमेग आनंद उल्लास हिंदी
हर दिल के पास है हिंदी

मनोज सोनी ,स्टेशन प्रबंधक रतलाम

ई –ऑफिस हेतु उपयोगी हिंदी नोटिंग

राजभाषा विभाग रतलाम द्वारा ई -ऑफिस में पहले से ही उपलब्ध हिंदी नोटिंग और ई -ऑफिस हेतु प्रस्तावित हिंदी नोटिंग क संग्रह तैयार किया गया है जो श्रंखला के रूप में उपलब्ध कराई जा रही है |

ई -ऑफिस में पहले से ही उपलब्ध हिंदी नोटिंग गतांक से आगे .....

उ, ऊ

- उपलब्ध नहीं

ई -ऑफिस हेतु प्रस्तावित हिंदी नोटिंग

उ, ऊ

- ऊपर 'क' के अनुसार कार्रवाई की जाए
- ऊपर 'क' अंकित अंश में की गई टिप्पणी को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव की जाँच करें
- उत्तर रोक रखें
- उत्तर का मसौदा प्रस्तुत करें
- उत्तर आज ही भेज दिया जाए

दौलतराम ताबियार
वरि अनुवादक (राजभाषा)
मंडल कार्यालय रतलाम

शेष अगले अंक में ....

दुर्घटना राहत गाड़ी संचालन

गतांक से आगे .....

प्रश्न(31) समपार पर दुर्घटना किस वर्गीकरण में आती है?

उत्तर:- C वर्ग में आती है।

प्रश्न(32) ओ एच ई की विफलता को किस श्रेणी में रखा जाएगा।

उत्तर:- L वर्ग में रखा जाएगा।

प्रश्न(33) दुर्घटना के वर्गीकरण में कौन सा वर्गीकरण गाड़ी दुर्घटना के अंतर्गत नहीं आता है।

उत्तर:- L वर्ग।

प्रश्न(34) यदि सवारी गाड़ी स्टेशन पर गलत लाइन में प्रवेश कर गई हो तो दुर्घटना की किस श्रेणी में माना जाएगा ?

उत्तर :- G श्रेणी में रखा जाएगा।

प्रश्न(35) यदि गाड़ी बिना प्रस्थान प्राधिकार के ब्लॉक सेक्शन में प्रवेश कर गई हो, तो किस श्रेणी में वर्गीकृत करेंगे ?

उत्तर:- G श्रेणी में।

प्रश्न(36) गाड़ी या गाड़ी का भाग दूर भाग गया है या नियंत्रण से बाहर हो गया हो तो दुर्घटना के किस श्रेणी में आएगा?

उत्तर:- J श्रेणी में आएगा।

प्रश्न(37) दुर्घटना के वर्गीकरण में कौन सा वर्गीकरण उपकरणों की विफलता के अंतर्गत नहीं आता है?

उत्तर- E

प्रश्न(38) यदि ब्लॉक सेक्शन में रेल टेढ़ी-मेढ़ी/ बकलिंग हो ,तो वर्गीकरण क्या होगा ?

उत्तर:- K

प्रश्न(39) यदि कोई माल गाड़ी सेक्शन में ओवरड्यू हो जाती है तब कितने हूटर बजाए जाएंगे ?

उत्तर :- 3 हूटर बजाए जाएंगे।

प्रश्न(40) यदि कोई यात्री गाड़ी सेक्शन में ओवरड्यू हो जाती है तब ART,ARME के मुख्यालय पर कितने हूटर बजाए जाएंगे?

उत्तर:- 4 हूटर बजाए जाएंगे।

दुर्गा प्रसाद वर्मा
सेवानिवृत्त -संरक्षा सलाहकार (यातायात)
रतलाम

शेष अगले अंक में .....

सुभद्रा कुमारी चौहान

हिंदी की प्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म इलाहाबाद के निकट निहालपुर में जमींदार परिवार में हुआ। ये राष्ट्रीय चेतना की सजग कवयित्री रही हैं। इन्होंने स्वाधीनता संग्राम में अनेक बार जेल की यातनाएं सही। इनकी रचनाओं की सादगी हृदयग्राही हैं। "झाँसी की रानी" इनकी अत्यंत लोकप्रिय कविता है। इनका निधन 15 फरवरी 1948 को हुआ।

जन्म 16 अगस्त 1904

यह कदम्ब का पेड़

यह कदम्ब का पेड़ अगर माँ होता यमुना तीर।
मैं भी उस पर बैठे कन्हैया बनता धीरे-धीरे॥

ले देतीं यदि मुझे बांसुरी तुम दो पैसे वाली।
किसी तरह नीची हो जाती यह कदम्ब की डाली॥

तुम्हें नहीं कुछ कहता पर मैं चुपके-चुपके आता।
उस नीची डाली से अम्मा ऊँचे पर चढ़ जाता॥

वहीं बैठ फिर बड़े मजे से मैं बांसुरी बजाता।
अम्मा-अम्मा कह वंशी के स्वर में तुम्हे बुलाता॥

बहुत बुलाने पर भी माँ जब नहीं उतर कर आता।
माँ, तब माँ का हृदय तुम्हारा बहुत विकल हो जाता॥

तुम आँचल फैला कर अम्मा वहीं पेड़ के नीचे।
ईश्वर से कुछ विनती करतीं बैठी आँखें मीचे॥

तुम्हें ध्यान में लगी देख मैं धीरे-धीरे आता।
और तुम्हारे फैले आँचल के नीचे छिप जाता॥

तुम घबरा कर आँख खोलतीं, पर माँ खुश हो जाती।
जब अपने मुन्ना राजा को गोदी में ही पातीं॥

इसी तरह कुछ खेला करते हम-तुम धीरे-धीरे।
यह कदम्ब का पेड़ अगर माँ होता यमुना तीर॥

राजभाषा विभाग, रतलाम मंडल (प.रे.)